

Class X - Hindi

प्रह्लाद अग्रवाल – तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र

CBSE NOTES

प्रह्लाद अग्रवाल – तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र - Quick Look Revision Guide

Your 1-page summary of the most exam-relevant takeaways from Sparsh.



Visit [Edzy.ai](https://edzy.ai) for more resources

Understand concepts, remember formulas, and score higher in every subject and class.

Key Points

1. प्रह्लाद अग्रवाल का जीवन परिचय।

प्रह्लाद अग्रवाल का जन्म जबलपुर में हुआ था। उन्होंने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी रचनाओं में समाज की विविधता दिखाई देती है।

2. तीसरी कसम फिल्म का महत्व।

तीसरी कसम फिल्म हिंदी सिनेमा की एक क्लासिक फिल्म है। इसे शैलेंद्र ने निर्देशित किया था। फिल्म में राजकपूर और वहीदा रहमान ने अभिनय किया था।

3. शैलेंद्र का योगदान।

शैलेंद्र एक प्रसिद्ध गीतकार और फिल्म निर्देशक थे। उन्होंने तीसरी कसम फिल्म के माध्यम से साहित्य और सिनेमा को जोड़ा।

4. फिल्म का साहित्यिक आधार।

तीसरी कसम फिल्म फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर आधारित है। यह कहानी ग्रामीण जीवन की मार्मिकता को दर्शाती है।

5. राजकपूर का अभिनय।

राजकपूर ने तीसरी कसम फिल्म में एक गाड़ीवान की भूमिका निभाई। उनका अभिनय दर्शकों के दिलों को छू गया।

6. वहीदा रहमान का अभिनय।

वहीदा रहमान ने फिल्म में एक ग्रामीण महिला की भूमिका निभाई। उनका अभिनय सहज और प्रभावशाली था।

7. फिल्म का संगीत।

तीसरी कसम फिल्म का संगीत शंकर-जयकिशन ने दिया था। फिल्म के गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

8. फिल्म की कहानी की विशेषताएं।

फिल्म की कहानी सरल और हृदयस्पर्शी है। यह प्रेम और सामाजिक मूल्यों को दर्शाती है।

9. फिल्म का सामाजिक संदेश।

तीसरी कसम फिल्म समाज में प्रेम और ईमानदारी के महत्व को दर्शाती है। यह एक शिक्षाप्रद फिल्म है।

10. फिल्म की आलोचनात्मक प्रतिक्रिया।

तीसरी कसम फिल्म को आलोचकों ने सराहा था। इसे हिंदी सिनेमा की एक महत्वपूर्ण फिल्म माना जाता है।

11. फिल्म का ऐतिहासिक महत्व।

तीसरी कसम फिल्म ने हिंदी सिनेमा में नई दिशा दिखाई। यह फिल्म आज भी याद की जाती है।

12. शैलेंद्र की अन्य रचनाएं।

शैलेंद्र ने कई प्रसिद्ध गीत लिखे थे। उनके गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

13. फिल्म का निर्माण।

तीसरी कसम फिल्म का निर्माण शैलेंद्र ने किया था। यह फिल्म उनकी एकमात्र निर्देशित फिल्म थी।

14. फिल्म की शूटिंग की जगह।

तीसरी कसम फिल्म की शूटिंग बिहार में हुई थी। यह जगह फिल्म की कहानी के अनुकूल थी।

15. फिल्म का प्रभाव।

तीसरी कसम फिल्म ने दर्शकों और आलोचकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। यह फिल्म आज भी प्रासंगिक है।

16. फिल्म की विरासत।

तीसरी कसम फिल्म हिंदी सिनेमा की एक अमर विरासत है। यह फिल्म आज भी देखी जाती है।

17. फिल्म के डायलॉग।

तीसरी कसम फिल्म के डायलॉग सरल और प्रभावशाली हैं। ये डायलॉग दर्शकों को याद रह जाते हैं।

18. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी।

तीसरी कसम फिल्म की सिनेमैटोग्राफी उत्कृष्ट है। यह फिल्म की भावनाओं को और भी गहरा बनाती है।

19. फिल्म का अंत।

तीसरी कसम फिल्म का अंत दर्शकों को भावुक कर देता है। यह अंत फिल्म की कहानी को पूर्णता प्रदान करता है।

20. फिल्म की सीख।

तीसरी कसम फिल्म से हमें प्रेम और ईमानदारी की सीख मिलती है। यह फिल्म जीवन के मूल्यों को दर्शाती है।

Your study buddy, always - Edzy!

For Students

- Create mind maps for complex concepts
- Take short breaks to recharge your focus
- Revise regularly to build long-term memory

For Teachers

- Save time with ready-made teaching aids
- Track student growth with auto-generated insights
- Celebrate milestones to encourage consistent effort

Exam Day Tip:

Start with the questions you're most confident about!

Stay Positive!

Mistakes are proof you're trying. Don't stop now!



Visit [Edzy.ai](https://edzy.ai) for more resources

Made with ❤️ for School Students